AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीएचडी प्रवेश परीक्षा जून में, ऑनलाइन की तैयारी

लविवि : कुल 4302 आवेदन आए, रेगुलर में कॉमर्स और पार्ट टाइम में शिक्षा शास्त्र में सर्वाधिक आवेदन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि समाप्त हो गई है। अब विश्वविद्यालय जून में प्रवेश परीक्षा के आयोजन की तैयारियों में लग गया है। कोविड-19 को देखते हुए प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन करने पर विचार किया जा रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय इस सत्र में पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश लेने जा रहा है। अभी प्रदेश के किसी विश्वविद्यालय में पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम संचालित नहीं किया जाता है। लगभग डेढ़ महीने तक चली आवेदन प्रक्रिया में रेगुलर व पार्ट टाइम पीएचडी के लिए 4302 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

रेगुलर पीएचडी पाठ्यक्रम में सबसे अधिक आवेदन कॉमर्स विषय में आए हैं जबकि पार्ट टाइम पीएचडी में सबसे अधिक आवेदन शिक्षा शास्त्र विषय में आए हैं। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा जून में संभावित है, जिसकी तैयारियां तेज हो गई हैं। इसके बाद अन्य कोर्सों की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने दावा किया कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश में 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने वाला राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय ने मार्च में अपनी प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी थी, जिस क्रम में अब प्रवेश परीक्षा की तैयारी तेजी से शुरू कर दी है।

यूजी में बीकॉम में सर्वाधिक आवेदन

लखनऊ। दूसरी तरफ स्नातक कोर्सों में अभी तक लगभग 16300 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं, परास्नातक कोर्सों में 10235 आवेदन आए हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों में अभी तक सबसे अधिक आवेदन बीकॉम पाठ्यक्रम में प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार परास्नातक पाठ्यक्रमों में अभी तक प्राप्त आवेदनों में सबसे अधिक आवेदन एलएलबी विषय में प्राप्त हुए हैं। जबकि यूजी-पीजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश आवेदन प्रक्रिया 31 मई तक चल रही है। डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, प्रोफिसिएंसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भी ऑनलाइन आवेदन चल रहे हैं, जिसकी अंतिम तिथि 15 जून है।

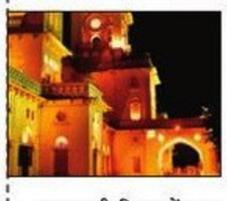

अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस पर लेजर कटिंग, थ्रीडी प्रिंटिंग की दी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस पर रविवार को ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. पंकज मिश्र आरआरसीएटी, इंदौर ने लेजर कटिंग, वेल्डिंग, मनचाहे शेप में थ्रीडी प्रिंटिंग की विद्यार्थियों को जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि अमेरिका की डॉ. मीनाक्षी सिंह ने क्वांटम कंप्यूटिंग, सेंसिंग के बारे में बताया। डॉ. कामाख्या मिश्र ने पल्स ऑक्सीमीटर में स्पेक्ट्रोस्कोपी का प्रयोग समझाया। बताया कि कोरोना रोगी आजकल इस उपकरण के कारण खतरे को जान लेते हैं। कार्यक्रम को प्रो. निशि पांडेय, डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, डॉ. सुनील कुमार मिश्र, समन्वयक प्रो. राजेश शुक्ल, डॉ. नवीना वाधवानी, डॉ. इष्ट विभु ने भी संबोधित किया। इससे पहले 15 मई को इससे जुड़ी पोस्टर, फोटोग्राफी, लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगी में लखनऊ समेत प्रयागराज, वाराणसी, पंजाब के विवि व कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल हुए। विजेताओ को ई-सर्टिफिकेट व सभी को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए गए। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ विवि : कोविड हेल्प डेस्क ग्रुप से सहायता पहुंचा रही युवाओं की टीम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस के ओएसडी प्रोफेसर मनोज कुमार अग्रवाल और सहायक प्रोफेसर डॉ. पूजा शर्मा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के छात्रों कोविड हेल्प डेस्क बनाई है जो वाट्सएप के जरिए जरूरतमंदों को जीवन रक्षक दवाइयों के साथ ही प्लाज्मा और ऑक्सीजन मुहैया करा रहे हैं। छात्र-छात्राओं में स्कंद राय, केशव राय, पारुल गुप्ता, यश विभांश, अनन्या श्रीवास्तव और निहाल खान ने बताया कि इस ग्रुप से समाजसेवियों और चिकित्सा क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को भी जोड़ा गया है। इस ग्रुप के सदस्य कोरोना को लेकर जागरूकता के साथ ही मरीजों को अस्पतालों में भर्ती करा हर संभव मदद कर रहे हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

मनोज अग्रवाल

पूजा शर्मा

स्कंद राय

अनन्या श्रीवास्तव

पारुल गुप्ता

यश विभांश

लविवि : सकारात्मक विचार भी बढ़ाते हैं शरीर की प्रतिरोधक क्षमता

लखनऊ। ब्रह्माकुमारीज, गोमती नगर व लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से रविवार को शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को वैज्ञानिक रूप से समझने एवं योग द्वारा उसको विकसित करने पर वेबिनार आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में लखनऊ विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान ने भारतीय योग एवं भक्ति की गरिमा पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हमारे दिमाग की कोशिकाओं को हमारे विचार प्रभावित करते हैं। जब हम सकारात्मक विचार जैसे खुशी, शांति और प्रेम के विचार लाते हैं तो बहुत ही सकारात्मक केमिकल्स दिमाग में पैदा होते हैं, जो पूरे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को विकसित कर देते हैं। कार्यक्रम का समापन करते हुए राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी राधा दीदी ने कहा कि राजयोग हमारे पूरे शरीर के चारों ओर एक घेरा बना देता है, जो पूरे शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। वेबिनार को सीनियर सर्जन डॉ. अनुपम शरण ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शोभित नारायण ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: पीएचडी के लिए ऑनलाइन परीक्षा

मिशन एडमिशन

लखनऊ | संवाददाता

करोना महामारी के चलते लखनऊ विश्वविद्यालय केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत पीएचडी दाखिले के लिए ऑफलाइन की जगह ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित कर सकता है। सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई को समाप्त हो गई।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार अंतिम तिथि 15 मई तक पीएचडी दाखिले के लिए 4302 आवेदन प्राप्त हुए हैं। लविवि ने पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन भी आमंत्रित किया था। प्रदेश के किसी अन्य विश्वविद्यायल में पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम नहीं है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक आवेदन रेगुलर पीएचडी पाठ्यक्रम में कॉमर्स विषय में आये हैं, जबकि पार्टटाइम पीएचडी में सबसे अधिक आवेदन शिक्षा शास्त्र विषय में आये हैं।

महामारी को ध्यान में रखकर होगा फैसलाः पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए ऑफलाइन प्रवेश परीक्षा जून में संभावित है, लेकिन प्रवेश परीक्षा की तिथि और उसके मोड को लेकर फैसला कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए लिया जाएगा।

यूजी और पीजी में दाखिले के लिए आवेदन 31 मई तकः स्नातक , स्नातकोत्तर , स्नातक प्रबंधन , स्नातकोत्तर प्रबन्धन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया अभी चल रही है। अंतिम तिथि 31 मई है। स्नातक में अभी तक लगभग 16300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

डिप्लोमा व अन्य कोर्सों के लिए 15 जून तक आवेदन

डिप्लोमा, पी जी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट , प्रोफिसिएंसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा चुके हैं। आवेदन की अन्तिम तिथि 15 जून है। दावा है कि लविवि प्रदेश में 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने वाला राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है जिसके लगभग 32 हजार आवेदन प्राप्त भी जो चुके हैं, जो बीते वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 32 फ़ीसदी ज्यादा है। लविवि ने मार्च महीने में अपनी प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी थी।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

योग पर वेबिनार का आयोजन

लखनऊ (एसएनबी)। ब्रह्माकुमारीज गोमती नगर एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को वैज्ञानिक रूप से समझने एवं योग द्वारा उसको विकसित करने के ऊपर सीनियर सर्जन डॉ. अनुपम शरण द्वारा वेबीनार का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के साइकोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. मधुरिमा प्रधान ने भारतीय योग एवं भक्ति की गरिमा पर प्रकाश डाला।

इस आयोजन में डॉ. शरण ने वहुत सुंदर ढंग से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कैसे कार्य करती है को दर्शाते हुए वताया कि हमारे ब्रेन की कोशिकाओं को हमारे विचार प्रभावित करते है। जव हम सकारात्मक विचार जैसे खुशी, शांति और प्रेम के विचार करते है तो वहुत ही सकारात्मक केमिकल्स दिमाग में उत्पन्न होते है जो पूरे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को विकसित कर देते है। कार्यक्रम का समापन करते हुए राजयोगिनी व्रह्माकुमारी राधा दीदी ने कहा की राजयोग हमारे पूरे शरीर के चारों ओर एक औरा क्रिएट कर देता है जो पूरे शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। कार्यक्रम का सफल संचालन शोभित नारायण जी द्वारा किया गया।

JAGRAN CITY PAGE I

पीएचडी में प्रवेश के लिए 4,302 आवेदन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित की गई थी। उस दिन तक 4,302 आवेदन प्राप्त हुए। लविवि ने पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन भी आमंत्रित किया था। अन्य विवि में पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम नहीं है। सबसे अधिक आवेदन रेगुलर पीएचडी पाद्यक्रम में कामर्स विषय में आए हैं। (जासं)

PIONEER PAGE 4

एलयू से पीएचडी करने को लेकर 4302 छात्रों ने दिखाई दिलचस्पी

- स्नातक में सबसे अधिक आवेदन बीकॉम के लिए मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई के समाप्त होने तक 4302 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्विद्यालय ने पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश हेतु आवेदन भी आमंत्रित किया था। प्रदेश के किसी अन्य विश्वविद्यायल में पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम नही है।

सबसे अधिक आवेदन रेगुलर पीएचडी पाठ्यक्रम में कॉमर्स विषय में आये हैं जबकि पार्टटाइम पीएचडी में सबसे अधिक आवेदन शिक्षा शास्त्र विषय में आये हैं। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा जून में संभावित है। इस पाठ्यक्रम के लिए विश्विद्यालय ऑनलाइन परीक्षा की संभावना पर भी विचार कर रहा है। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक स्नातक , परास्नातक, स्नातक प्रबंधन, परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन की प्रक्रिया अभी चल रही है। जिसकी अंतिम तिथि 31 मई है। कोविड लॉकडाउन के बावजूद भी स्नातक में अभी तक लगभग 16300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि अर्थात 15 मई तक प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष 23 फीसदी अधिक हैं । वहीं परास्नातक कार्यक्रम में 10235 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना मेंए लगभग 86 फीसदी अधिक हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक आवेदन बीकॉम पाठ्यक्रम में प्राप्त हुए हैं ए जबकि अभी आवेदन प्रक्रिया चल रही है। इसी प्रकार परास्नातक पाठ्यक्रमों में अभी तक प्राप्त आवेदनों में सबसे अधिक आवेदन एलएलबी विषय में प्राप्त हुए हैं। वहीं डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, प्रोफिसिएंसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भी आनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 15 जून है।

AMRIT VICHAR PAGE 2 & 3

अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस | लखनऊ विवि के भौतिक विज्ञान विभाग ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया कार्यक्रम

प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखायी प्रतिभा

अमृत विचार, लखनऊ

अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर पोस्टर, फोटोग्राफी, लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के पैट्रन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में आरआरसीएटी, इंदौर लेज़र प्रभाग के अध्यक्ष प्रो. पंकज मिश्र ने प्रगत केंद्र पर लेसर शोध और गतिविधियों जैसे लेसर कटिंग, वेल्डिंग, मनचाहे शेप में थ्री डी प्रिंटिंग के बारे में समझाया व वहां के चलचित्र भी दिखाए, जिससे भारत में उपस्थित प्रगत तकनीकों का सभी को ज्ञान हुआ। उन्होंने प्रगत सिंक्रोट्रान की टनल, इंडस-टू का सैटेलाइट व्यू भी दिखाया। विभिन्न चुम्बक जो कि केंद्र की विशेष योग्यता है, भी दर्शाए। लीगो-इंडिया के विषय मे बताते हुए उसमे आरआरसीएटी का कार्य भी बताया और हिंगोली महाराष्ट्र भी बताया। शीघ्र ही 15-50 माइक्रो मीटर और 15-25 मीवी का फ्री इलेक्ट्रान लेज़र भी आरआरसीएटी बना लेगा। ज्ञात हो लखनऊ विश्वविद्यालय में 1986 से ही फ्री इलेक्ट्रान पर सैद्धांतिक और सिमुलेशन शोध इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार के प्रोजेक्ट के तहत हुआ और डाटा आरआरसीएटी को उपलब्ध कराया था। अमरीका से विशिष्ट अतिथि डॉ मीनाक्षी सिंह ने क्यूबिटस के बारे में प्रकाश की आवश्यकता और क्वांटम कंप्यूटिंग, सेंसिंग के बारे में बताया। अपनी प्रयोगशाला जो कि अत्यंत कम ताप पर काम कर रही है जहां किसी प्रकार का विक्षोभ नही होता, दिखाया। डॉ कामाख्या मिश्र ने पल्स ऑक्सिमेटर में स्पेक्ट्रोस्कोपी का प्रयोग समझाया और बताया कि कोरोना रोगी आजकल इस उपकरण के कारण खतरे को जान लेते है। प्रो. निशि पाण्डे ने विश्व शास्त्रों में और डॉ सत्यकेतु ने संस्कृत शास्त्रों में वर्णित प्रकाश को समझाया। डॉ नवीना वाधवानी ने वन फोटोंन कंप्यूटिंग के विषय मे बताया। कृषक समाज इंटर कालेज, लखीमपुर जिला समन्वयक विज्ञान क्लब के डॉ सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि प्रकाश भी विकिरण दाब डालता, छात्रों में यह लोकप्रिय रहा। छात्रों ने भी प्रकाश सम्बन्धी अत्याधुनिक विषयों पर प्रेसेंटशन्स दिए। प्रतियोगी लखनऊ के कई विद्यालय, महाविद्यालय, प्रयागराज , वाराणसी, पंजाब व अन्य स्थानों से सम्मिलित हुए। विजेता को ई-सर्टिफिकेट दिए गए। पार्टिसिपेंट्स को भी प्रमाण पत्र दिए गए। कन्वेनर प्रो. राजेश शुक्ल और आयोजक डॉ नवीना वाधवानी व डॉ इष्ट विभु वाईडीपीजी कालेज लखीमपुर थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. पूनम टंडन ने की।

पीएचडी के लिए आए 4302 आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक 4302 आवेदन प्राप्त हुए हैं। लखनऊ विश्विद्यालय ने पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन भी आमंत्रित किया था। प्रदेश के किसी अन्य विश्वविद्यायल में पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम नही है।

सबसे अधिक आवेदन रेगुलर पीएचडी पाठ्यक्रम में कॉमर्स विषय में आये हैं जबकि पार्टटाइम पीएचडी में सबसे अधिक आवेदन शिक्षा शास्त्र विषय में आये हैं। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा जून में संभावित है। इस पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय ऑनलाइन परीक्षा की संभावना पर भी विचार कर रहा है। स्नातक, परास्नातक, स्नातक प्रबंधन, परास्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया अभी चल रही है, जिसकी अंतिम तिथि 31 मई है। कोविड लॉकडाउन के बावजूद भी स्नातक में अभी तक लगभग 16300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि अर्थात 15 मई तक प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष 23 प्रतिशत अधिक हैं। वहीं परास्नातक कार्यक्रम में 10235 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में, लगभग 86 फीसदी अधिक हैं।

स्नातक पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक आवेदन बीकॉम पाठ्यक्रम में प्राप्त हुए हैं, जबकि अभी आवेदन प्रक्रिया चल रही है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3 & 6

पीएचडी के लिए आये 4302 आवेदन

. स्नातक, परास्नातक, स्नातक प्रबंधन, परास्नातक प्रबंधन कोर्स में 31 तक करें आवेदन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक 4302 आवेदन प्राप्त हुए हैं। लखनऊ विश्विद्यालय ने पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन भी आमंत्रित किया था। प्रदेश के किसी अन्य विश्वविद्यायल में पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम नही है।

- लविवि में पहली बार शुरू हुआ पार्ट टाइम पीएचडी कार्यक्रम

सबसे अधिक आवेदन रेगुलर पीएचडी पाठ्यक्रम में कॉमर्स विषय में आये हैं जबकि पार्टटाइम पीएचडी में सबसे अधिक आवेदन शिक्षा शास्त्र विषय में आये हैं। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा जून में संभावित है। इस पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय ऑनलाइन परीक्षा की संभावना पर भी विचार कर रहा है। स्नातकए परास्नातकए स्नातक प्रबंधनए परास्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया अभी चल रही हैए जिसकी अंतिम तिथि 31 मई है। कोविड लॉकडाउन के बावजूद भी स्नातक में अभी तक लगभग 16300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि अर्थात 15 मई तक प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष 23 प्रतिशत अधिक हैं। वहीं परास्नातक कार्यक्रम में 10235 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 86 फीसदी अधिक हैं स्नातक पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक आवेदन बीकॉम पाठ्यक्रम में प्राप्त हुए हैंए जबकि अभी आवेदन प्रक्रिया चल रही है इसी प्रकार परास्नातक पाठ्यक्रमों में अभी तक प्राप्त आवेदनों में सबसे अधिक आवेदन एलएलबी विषय में प्राप्त हुए हैं। डिप्लोमाए पीजी डिप्लोमाए सर्टिफिकेटए प्रोफिसिएंसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी आनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा चुके हैं जिनकी आवेदन की अन्तिम तिथि 15 जून है। बता दें किए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश में 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने वाला राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय हैए जिसके लगभग 32 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

पल्स ऑक्सीमीटर में स्पेक्ट्रोस्कोपी का प्रयोग समझाया

लखनऊ।अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर पोस्टरए फोटोग्राफीए लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के पैट्रन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय रहे। मुख्य अतिथि के रूप में आरआरसीएटीए इंदौर लेजर प्रभाग के अध्यक्ष प्रो. पंकज मिश्र ने प्रगत केंद्र पर लेसर शोध और गतिविधियों जैसे लेसर कटिंग, वेल्डिंग, मनचाहे शेप में थ्री डी प्रिंटिंग के बारे में समझाया व वहां के चलचित्र भी दिखाए, जिससे भारत में उपस्थित प्रगत तकनीकों का सभी को ज्ञान हुआ। उन्होंने प्रगत सिंक्रोट्रान की टनलए इंडस.टू का सैटेलाइट व्यू भी दिखाया। विभिन्न चुम्बक जो कि केंद्र की विशेष योग्यता हैए भी दर्शाए। लीगो.इंडिया के विषय मे बताते हुए उसमे आरआरसीएटी का कार्य भी बताया और हिंगोली महाराष्ट्र भी बताया। शीघ्र ही 15.50 माइक्रो मीटर और 15.25 मीवी का फ्री इलेक्ट्रान लेजर भी आरआरसीएटी बना लेगा। ज्ञात हो लखनऊ विश्वविद्यालय में 1986 से ही फ्री इलेक्ट्रान पर सैद्धांतिक और सिमुलेशन शोध इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार के प्रोजेक्ट के तहत हुआ और डाटा आरआरसीएटी को उपलब्ध कराया था। अमरीका से विशिष्ट अतिथि डॉ मीनाक्षी सिंह ने क्यूबिटस के बारे में प्रकाश की आवश्यकता और क्वांटम कंप्यूटिंगए सेंसिंग के बारे में बताया। अपनी प्रयोगशाला जो कि अत्यंत कम ताप पर काम कर रही है जहां किसी प्रकार का विक्षोभ नही होताए दिखाया। डॉ कामाख्या मिश्र ने पल्स ऑक्सिमेटर में स्पेक्ट्रोस्कोपी का प्रयोग समझाया और बताया कि कोरोना रोगी आजकल इस उपकरण के कारण खतरे को जान लेते है। प्रोण निशि पाण्डे ने विश्व शास्त्रों में और डॉ सत्यकेतु ने संस्कृत शास्त्रों में वर्णित प्रकाश को समझाया। डॉ नवीना वाधवानी ने वन फोटोंन कंप्यूटिंग के विषय मे बताया।